वर्ष-8 अंक 42 | 10 जून से 16 जून 2024 तक | पृष्ठ-12 | MPHIN/2015/63623

न्यूज क्राइम फाइल

आमंत्रण मुल्य 15/-

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

शिवराज-सिंधिया और वीडी दौड़ में आगे, दो मंत्रियों की हो सकती है छुट्टी; महिला चेहरा कौन

मोदी 3.0 कैबिनेट में एमपी के कितने चेहरे...

उदय प्रताप सिंह चौहान

हिंदी पट्टी के राज्यों में भाजपा के लिए सबसे बेस्ट परफॉर्मेंस मध्यप्रदेश ने दिया है। बीजेपी ने न केवल सभी 29 सीटें जीतीं, बल्कि कांग्रेस और बीजेपी के वोट पर्सेंट में 27 फीसदी का बड़ा अंतर भी देखने को मिला। अब सवाल ये है कि मोदी कैबिनेट में एमपी के नेताओं को कितनी जगह मिलेगी? मोदी के इस तीसरे कार्यकाल में तस्वीर पिछले दो कार्यकाल से बदली हुई है। राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि आमतौर पर चौंकाने वाले फैसले लेने वाले मोदी के पास इस कार्यकाल में इसकी ज्यादा गुंजाइश नहीं है। उन्हें पहले अपने दोनों सहयोगी दलों टीडीपी और जेडीयू को साधना होगा। इसके बाद बची सीटों पर भाजपा के मंत्रियों को एडजस्ट करना होगा, इसलिए जो स्वाभाविक दावेदार हैं, पहले उन्हें ही वरीयता मिलेगी। एमपी से किसी महिला को जरूर कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है।

शिवराज तीन केंद्रीय मंत्रियों से भी सीनियर

इस बार के लोकसभा चुनाव में एमपी से तीन केंद्रीय मंत्रियों के साथ सीनियर लीडर के तौर पर शिवराज सिंह चौहान भी मैदान में थे। फग्गन सिंह कुलस्ते, वीरेंद्र खटीक और ज्योतिरादित्य सिंधिया से काफी पहले 1991 में पहली बार सांसद चुने गए थे। इस बार वे अब छठवीं बार लोकसभा में पहुंचे हैं। वरिष्ठ पत्रकार एनके सिंह कहते हैं कि इस लिहाज से मोदी कैबिनेट में शिवराज की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है। उनके अलावा ज्योतिरादित्य सिंधिया का मंत्री बनना लगभग तय है। प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का भी दावा बनता है। इस बात की संभावना है कि मंत्रियों में आठ बार के सांसद वीरेंद्र कुमार खटीक और 7 बार के सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते को अभी इंतजार करने को कहा जाए। इस बार चौंकाने वाले नाम होने की गुंजाइश भी पहले से बहुत कम होगी। वीरेंद्र खटीक और फग्गन सिंह 1996 में पहली बार सांसद चुने गए थे।

अब समझते हैं मोदी 3.0 में एमपी से कौन-कौन दावेदार और क्यों?

दावा मजबूत क्यों : पहली बार 1991 में सांसद चुने गए थे। चार बार मप्र के मुख्यमंत्री रहे। एमपी की एकतरफा जीत में लाड़ली बहना स्कीम का भी बड़ा रोल रहा है। ये स्कीम शिवराज के कार्यकाल की सबसे लोकप्रिय स्कीम है। सीएम पद नहीं मिलने के बाद भी लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए कई सभाएं की। सीएम न रहते हुए भी प्रदेश में लोकप्रिय नेता हैं। : पीएम मोदी ने कहा था.. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 अप्रैल को हरदा की सभा में कहा था- संगठन में मैं और शिवराज सिंह चौहान जी साथ काम करते थे। उस वक्त हम दोनों मुख्यमंत्री थे। वो जब संसद में गए थे, तब मैंने महामंत्री के नाते उनके साथ काम किया। अब फिर मैं उनको दिल्ली ले जाना चाहता हूं। दावा मजबूत क्यों : मोदी कैबिनेट में वर्तमान में नागरिक उड्डयन मंत्री रहे हैं। सिंधिया के प्रभाव वाली ग्वालियर, मुरैना सीटों में भी बीजेपी जीती। संगठन की सर्वे रिपोर्ट में यहां बीजेपी पहले कमजोर बताई जा रही थी। एमपी में बीजेपी की सत्ता में वापसी के किंगमेकर रहे। 2019 में सिंधिया ने कांग्रेस छोड़कर कमलनाथ सरकार का तख्ता पलटा था। उसके बाद ही बीजेपी की सत्ता में वापसी हुई। पीएम मोदी ने क्या कहा था... 21 अक्टूबर को सिंधिया स्कूल 125 वें स्थापना दिवस समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि ज्योतिरादित्य सिंधिया हमारे गुजरात के दामाद हैं, इसलिए मेरा उनसे दूसरा रिश्ता है। मेरा गांव गायकवाड़ स्टेट का गांव था और उन्होंने पहला प्राथमिक स्कूल बनवाया था। उसमें मैंने मुफ्त में शिक्षा ग्रहण की थी। इसी गायकवाड़ परिवार में सिंधिया की ससुराल है। दावा मजबूत क्यों : पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं। शर्मा के अध्यक्ष रहते विधानसभा में पार्टी ने 163 सीटें जीतीं। सत्ता के साथ बेहतर समन्वय रहा, खजुराहो में बड़ी जीत हासिल की। वीडी शर्मा का अध्यक्ष पद का कार्यकाल फरवरी 2023 में खत्म हो चुका है। विधानसभा-लोकसभा चुनावों को देखते हुए उन्हें एक्सटेंशन दिया गया था। पीएम मोदी ने क्या कहा था... वीडी शर्मा को लेकर पीएम मोदी ने दमोह की सभा कहा था- ये दिखने में दुबले पतले जरूर हैं, लेकिन इनके नेतृत्व में बीजेपी ने मध्यप्रदेश के चुनावों में इस बार नया इतिहास रच दिया है। दावा क्यों: देश के बड़े आदिवासी नेता हैं, 7वीं बार सांसद का चुनाव जीते हैं। मोदी कैबिनेट में वर्तमान में केंद्रीय मंत्री हैं। पिछली बार भी वे मोदी मंत्रिमंडल में शामिल थे। संशय क्यों : केंद्रीय मंत्री रहते हुए विधायक का चुनाव हार गए थे। इससे उनका रुतबा घटा। यदि किसी और आदिवासी नेता पर एक राय बनी तो कुलस्ते को फिलहाल कैबिनेट से विश्राम दिया जा सकता है। दावा क्यों : मध्यप्रदेश के दूसरे सीनियर सांसद हैं। एससी वर्ग को प्रतिनिधित्व देने के लिए सबसे मुफीद चेहरा। किसी कॉन्ट्रोवर्सी में नहीं, पिछली बार मोदी कैबिनेट में मंत्री रहे। संशय क्यों : पिछले कार्यकाल में खटीक का परफॉर्मेंस बहुत उल्लेखनीय नहीं रहा। यदि दलित कोटे से कोई और नाम सामने आता है तो उन्हें विश्राम दिया सकता है। हालांकि उनके नाम की चर्चा जरूर होगी।

महिला सांसदों में किसे मिल सकता है मौका

यदि नए चेहरों को मौका मिला तो एमपी से किसी एक महिला सांसद की दावेदारी मजबूत हो सकती है। एक्सपर्ट के मुताबिक किसी महिला को मंत्री बनाया जाता है तो जातिगत समीकरण को भी देखा जाएगा। लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 6 महिलाओं को टिकट दिया था। इनमें बालाघाट से भारती पारधी, भिंड से संध्या राय, शहडोल से हिमाद्री सिंह, धार से सावित्री ठाकुर, सागर से लता वानखेड़े और रतलाम से अनिता नागर सिंह चौहान चुनाव जीत गई हैं। इन सभी को टिकट देने में पीएम मोदी की अहम भूमिका थी। इसके अलावा तीन राज्यसभा सांसद के रूप में कविता पाटीदार और सुमित्रा बाल्मीक, माया नारोलिया पहले से हैं। इस तरह मप्र से 9 महिला सांसद हैं। इनमें से हिमाद्री सिंह और संध्या राय दो बार की सांसद हैं वहीं सावित्री ठाकुर 2014 में चुनाव जीती थीं। 2019 में उन्हें टिकट नहीं दिया था। अनिता नागर सिंह चौहान, लता वानखेड़े और भारती पारधी पहली बार की सांसद हैं। संध्या राय और सुमित्रा बाल्मीक अनुसूचित जाति वर्ग से हैं। अनिता नागर सिंह चौहान, हिमाद्री सिंह और सावित्री ठाकुर अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं। वहीं लता वानखेड़े, भारती पारधी, माया नारोलिया कविता पाटीदार ओबीसी कोटे से आती हैं।

काढ़े में नींद की दस गोलियां देकर की थी हत्या, कार की डिक्की में शव रखकर घूमा था शहर

प्रेमी संग पति की हत्या करने वाली पत्नी को उम्रकैद

संजीव कुमार

राजधानी भोपाल में साल 2021 के बहुचर्चित धनराज मीणा (कारोबारी) की हत्या कांड के मामले में शुक्रवार को कोर्ट ने दो लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने मृतक की पत्नी संगीता मीणा और उसके प्रेमी आशीष पांडेय को यह सजा सुनाई है। दोनों आरोपियों ने हत्या करने के बाद लाश को कार की डिक्की में भरकर शहर की सैर की थी। इसके कुछ घंटों बाद आरोपी आशीष और महिला प्लान में बदलाव कर थाने पहुंचे। महिला ने पुलिस को बताया था कि उसने अपने पति की हत्या कर दी है और गाड़ी की डिक्की में उसकी लाश है। महिला ने पति की हत्या के लिए काढ़े में नींद की दस गोलियां मिलाकर दी थीं। यह सब उसने प्रेमी के साथ रहने की चाहत में किया था। टीका गोड़ी सीहोर के रहने वाले धनराज मीणा (39) खेती किसानी के साथ हार्टीकल्चर में इस्तेमाल होने वाले पाइप का बिजनेस करते थे। वह वर्ष 2014 से कटारा हिल्स इलाके में सागर गोल्डन पार्क में पत्नी संगीता, बेटे आयुष और बेटी के साथ रहते थे। उनके पड़ोस में नेट लिंक सॉफ्टवेयर कंपनी का इंजीनियर आशीष पाण्डेय रहता है। पड़ोसी होने के चलते दोनों परिवार के बीच दोस्ती हो गई। आशीष उनके घर आने-जाने लगा। महीने भर पहले धनराज ने संगीता

और आशीष को घर में संदिग्ध हालत में देख लिया था। इसके बाद से वह पत्नी पर शक करने लगा। उसने आशीष से बोलचाल बंद कर दिया था। आशीष ने धनराज को रास्ते से हटाने के लिए संगीता के साथ मिलकर साजिश रची। इसके बाद आशीष ने संगीता को नींद की 10 गोलियां दी थीं।

कोरोना का डर बताकर दिया था काढ़ा

6 दिसंबर को धनराज घर पहुंचे, तभी पत्नी ने कोरोना का डर बताकर उन्हें पीने के लिए काढ़ा दिया। उसने काढ़े में 10 गोलियां मिला दी थीं। काढ़ा पीने के बाद धनराज को नींद लग गई, तभी संगीता ने आशीष को बुला लिया। इसके बाद हथौड़ी और डंडे से सिर पर हमला कर धनराज की हत्या कर दी। शव को बोरे में भरकर आशीष ने अपनी कार की डिक्की में रख दिया। मंगलवार सुबह करीब 9 बजे दोनों शव को ठिकाने लगाने के लिए निकले। वह बायपास से होते हुए कोलार डैम की तरफ गए। इसी बीच आरोपियों को लगा कि पुलिस उन्हें पकड़ ही लेगी। इससे अच्छा है कि खुद थाने चलकर गुनाह कबूल लेते हैं। दोपहर करीब डेढ़ बजे आशीष और संगीता कार में शव रखकर कटारा हिल्स थाने पहुंचे। संगीता बोली कि पति की उसने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या कर दी है। शव कार में रखा है। पुलिस यह सुनकर दंग रह गई।

संगीता ने बच्चों को बहन के घर भेज दिया था

संगीता ने पति की हत्या की साजिश एक दिन पहले ही रच ली थी। उसने अपने दोनों बच्चों को पास में रहने अपनी बहन के घर भेज दिया था। बच्चों को बताया था कि उसे जरूरी काम से जाना है। जबकि, वह सोमवार को कहीं नहीं गई। आशीष के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रच रही थी। संगीता ने पुलिस की पूछताछ में बताया था कि पति धनराज उसे धमकी देता था कि तुम्हें नर्क में ढकेल दूंगा, आशीष को ऊपर पहुंचा दूंगा.. । हम लोग यदि उसे नहीं मारते तो वह हम लोगों को मार डालता। ग्वालियर से वर्ष 2012 में बीई किया था। इसके बाद वह नेटलिंक में जॉब करने लगा। उसकी पत्नी निजी स्कूल में टीचर है। पिता एसबीआई से रिटायर्ड हैं। आशीष के दादा को नींद नहीं आती थी। वह उनके लिए दवा लेकर आता था। उसे अच्छी तरह पता था कि उक्त दवा से धनराज गहरी नींद में सो जाएगा। इसके बाद हत्या करने में आसानी होगी। आशीष घटना की रात को पत्नी को यह बताकर निकला था।

मप्र में वित्त ने बजट पर मांगे नागरिकों के सुझावः शिक्षा, रोजगार, कृषि, उद्योग सहित अन्य विषयों पर 15 जून तक दे सकेंगे सुझाव

न्यूज क्राइम फाइल

जुलाई में विधानसभा सत्र के दौरान पेश होने वाले राज्य सरकार के बजट की तैयारियों में वित्त विभाग के साथ सभी विभागों की टीम जुटी है। इस बीच उप मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने वित्त बजट को लेकर प्रदेश के नागरिकों से सुझाव मांगे हैं। जिसमें राजस्व वृद्धि के साथ अन्य योजनाओं की जानकारी चाही गई है। इन सुझावों की छंटनी कर सरकार उसकी प्राथमिकता के आधार पर बजट में शामिल कर सकती है। वैसे भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने इस साल विभागों से मांगे गए बजट प्रस्तावों में जन भागीदारी पर ज्यादा जोर देने के लिए कहा है। वित्त मंत्री देवड़ा के अनुसार विकसित भारत निर्माण में मध्यप्रदेश के अधिक से अधिक योगदान के लिए वर्ष 2024-25 के बजट निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। इसको लेकर नागरिकों से सुझाव बुलाए गए हैं। नागरिकों के सहयोग से प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को विस्तार देने में मदद मिलेगी। जिनसे सुझाव मांगे गए हैं उनसे शिक्षा, रोजगार, कृषि, उद्योग, ग्रामीण विकास, शहरी विकास, सड़क, अधो संरचना, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक कल्याण, राजस्व संग्रहण, प्रशासनिक सुधार विषयों पर सलाह देने के लिए कहा है।

पोर्टल पर दे सकेंगे सुझाव

पोर्टल MPMYGov पर सुझाव दिए जा सकेंगे। जो 15 जून 2024 तक स्वीकार किए जाएंगे। इसके अलावा फोन नंबर 0755-2700800, ईमेल budget.mp@mp.gov.in और वित्तीय प्रबंध सूचना प्रणाली 218-एच, द्वितीय तल, वल्लभ भवन मंत्रालय भोपाल पिन कोड- 462004 पर सुझाव दिए जा सकते हैं। सुझावों के साथ अपना नाम, शहर, जिला पिनकोड भी लिखने को कहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनभागीदारी से बजट तैयार करने के लिए कहा है। इसलिए प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों के विस्तार के साथ-साथ, रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए सुझावों पर जोर दिया जा रहा है। देवड़ा ने नागरिकों से प्रदेश की राजस्व आय में वृद्धि के सुझाव के साथ बजट को और अधिक लोक-कल्याणकारी बनाने में सहयोग करने का आग्रह किया है।

शिवराज सरकार भी लेती रही है सुझाव

बीजेपी की तत्कालीन सरकार भी बजट निर्माण के लिए प्रदेश के लोगों से ऑनलाइन सुझाव लेती रही है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार में फरवरी माह में पोर्टल पर ऑनलाइन और विभाग में ऑफलाइन सुझाव लिए जाकर बजट तैयार कराया जाता रहा है। इसके अलावा वित्त मंत्री संभागीय बैठकों में अलग-अलग सेक्टर के कारोबारियों, प्रबुद्ध जनों से बजट को लेकर संवाद करते रहे हैं।

भोपाल में होटल मैनेजर ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

ऑफिशियल ग्रुप पर किए आखिरी मैसेज में लिखा- गुड बाय फॉर एवर

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के सेंट्रल लाइब्रेरी के सामने स्थित होटल सेंट्रल पार्क के मैनेजर ने गुरुवार की शाम को घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। वह ड्यूटी से घर लौटे और उसके बाद जान दे दी। आखिरी मैसेज भी उन्होंने होटल के ऑफिशियल ग्रुप में सेंड किया। जिसमें उन्होंने लिखा कि गुड बाय फॉर एवर, दस मिनट के भीतर ऐसे दो और मैसेज किए, जिसमें उन्होंने बाय लिखा था। संदेह होने पर होटल स्टॉफ उनके घर पहुंचा। जहां गेट तोड़ने के बाद मैनेजर की लाश को फंदे पर लटका देखा और पुलिस को सूचना दी। मामले में बजरिया थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। एएसआई मनोज कटियार ने बताया कि 52 वर्षीय एमबी थापा मूल रूप से नेपाल के रहने वाले थे। बीते तीस साल से भोपाल में रह रहे थे। फिलहाल वह सेंट्रल लाइब्रेरी के सामने स्थित होटल सेंट्रल पार्क में बतौर मैनेजर नौकरी कर रहे थे। हर रोज की तरह गुरुवार की सुबह ड्यूटी पर पहुंचे। दोपहर में होटल से निकले और भोपाल स्टेशन के एक नंबर प्लेटफार्म के करीब चांदबढ़ स्थित घर पहुंचे। यहां उन्होंने शाम करीब 5 बजे फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शुक्रवार की दोपहर को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

बीमारी से परेशान थे थापा

एएसआई मनोज कटियार ने बताया कि अब तक की जांच में साफ हुआ है कि थापा को ब्रेन संबंधी बीमारी थी। इससे वह परेशान थे। हर तरह का इलाज कराने के बाद भी बीमारी से राहत नहीं मिल रही थी। इससे वह डिप्रेशन में आ चुके थे। आशंका है कि इसी कारण उन्होंने जान दी है। कमरे की तलाशी में सुसाइड नोट नहीं मिला है। होटल के ऑफिशियल ग्रुप में उन्होंने

गुड बाय फार एवर और गुडबाय फिर बाय ऐसे तीन मैसेज किए थे।

तीन बेटियों के पिता थे

एमबी थापा की तीन बेटी हैं, एक की नेपाल और दो अन्य की भोपाल से बाहर शादी हुई है। उनकी पत्नी साथ रहती हैं। वह भोपाल के एक कैफे में नौकरी करती हैं। घटना के समय वह जॉब पर गई हुई थीं। पति के साथी जब घर पहुंचे तो काफी आवाजें देने पर भी गेट नहीं खुला। इसकी जानकारी पत्नी को दी। वह घर पहुंची और उनकी मौजूदगी में गेट को तोड़ा गया। तब एमबी थापा का शव फांसी के फंदे पर लटका दिखा। बॉडी को उतारने के बाद पुलिस को सूचना दी गई थी। पुलिस का कहना है कि फिलहाल परिजनों के डिटेल बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं।

इंदौर, भोपाल, रतलाम समेत कई जिलों में बारिश

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी के बीच कई जिलों का मौसम बदला है। इंदौर, रतलाम, धार, छिंदवाड़ा, कटनी और विदिशा में बारिश हुई है। रतलाम में तो ओले भी गिरे हैं। सिवनी में आकाशीय बिजली गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। खरगोन में आंधी से एक कच्चा मकान गिरने से 3 बहनें घायल हो गई। भोपाल में भी रात करीब 10:30 बजे बारिश शुरू हो गई। मौसम विभाग ने 37 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। कहीं आंधी-गरज चमक की स्थिति रहेगी, तो कहीं बारिश भी हो सकती है। वहीं, ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, रीवा, मऊगंज और सीधी में दोपहर तक तेज गर्मी और शाम को आंधी चल सकती है। सिवनी में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घटना छपारा थाना क्षेत्र के खुर्सीपार पंचायत के गाड़ाघाट गांव की है। जहां कुछ लोग एक खेत में मूंगफली खोदने का काम कर रहे थे, तभी तेज हवा के साथ बारिश हुई और आसमान से बिजली गिरी। ये सभी लोग उसकी चपेट में आ गए। घटना में हर्रई गांव निवासी राधा (30) पति दिलीप डहेरिया और संतु (35) पिता सुखराम यादव निवाली घोंटी गांव की मौत हो गई। घायलों को छपारा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भोपाल में लकी ड्रा, मुकेश साहू को मिला फ्रीज: 7 मई को वोट डालने का मिला इनाम; डायनिंग टेबल, साउंड सिस्टम-लैपटॉप भी मिले

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल लोकसभा सीट पर वोटिंग परसेंटेज बढ़ाने के लिए इस बार वोटर्स को कई लुभावने ऑफर भी दिए गए। वोटिंग वाले दिन 7 मई को ही बूथ पर 4 ड्रा खोले गए। जिसमें डायमंड रिंग भी विजेताओं को मिली। इसके बाद शुक्रवार को मेगा लकी ड्रा खोला गया। जिसमें फ्रीज, डायनिंग टेबल, साउंड सिस्टम और लैपटॉप जैसे कई इनाम भी मतदाताओं को मिलें हैं। शुक्रवार को टिंबर मर्चेंट के अध्यक्ष बदर आलम एवं जनरल सेक्रेटरी अंजुम, एमपी नगर व्यवसाय संघ के अध्यक्ष महेश साहू की उपस्थिति में लकी ड्रा की घोषणा की गई। एक सादे आयोजन में लकी ड्रा के समय क्षेत्रीय रहवासी एवं स्विप की टीम उपस्थित थी। फ्रीज उत्तर विधानसभा में वोट डालने वाले मुकेश साहू को मिला। वहीं, लैपटॉप गोविंदपुरा में वोट डालने वाले वरुण कुमार मरावी, कूलर शिवशंकर एवं भारती, साउंड बॉक्स महेंद्र बवंकर, मोहम्मद आजम, राधा बाई, रविंद्र और दिव्या को दिया गया।

यह इनाम भी दिए गए

डिनर सेट अनिरुद्ध चांदबड़, हुदा, मुस्कान सोनी, पूनम, नासिर खान, शुभम, विनोद कासीराम, मीनू कुशवाहा को मिला।

ट्रॉली बैग प्रेम नारायण, डायनिंग टेबल अर्पित उपाध्याय, कैसरोल रानी दांगी को मिला। इसी प्रकार दीवार घड़ी सरिता जैन, नंदकुमार साहू, प्रतीक्षा, सबीना, दीपा मीणा, कनिष्क, जयेश, अरुण पाटीदार, निकिता कुशवाहा, फिरोजा बानो, नीति श्रीवास्तव, कंचन सिंह, अनामिका, दुर्गेश वानखेड़े, नमामि जोशी, रघुवीर, राजेंद्र सोनी, रचना, जागृति, विजय, रेखा, पवन निगम, नर्मदा बाई, जयप्रकाश, ताहिरा बी, कुसुम गायकवाड़ को मिली।

यह सांत्वना उपहार भी दिए

मनीषा ठाकुर, जगदीश मालवीय, रामप्यारी गुप्ता, अंकित कश्यप, मालती पुष्पकर, सुरभि जैन, मंजू अलंकार, प्रीति जाटव, रोहित सोनवाने, सुभाष, गुलाब, मिथिलेश, आशना, शैलेंद्र सेन, हरीश श्रेया, नरेश, सेन, अजय रिजवान, रोहित, मयूरी, संतोष, शुभम, शांति आदि को दिए गए हैं।

अब भी नरेंद्र मोदी सबसे बड़े एवं वर्चस्वी नेता हैं

अठाहरवीं लोकसभा चुनाव के नतीजे भले ही अपने अंदर कई संदेशों को समेटे हुए हैं, भले ही भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला हो, भले ही इंडिया गठबंधन एक चुनौती के रूप में खड़ा हुआ हो, फिर भी तीसरी बार नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बनते हुए नये भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये वे पहले दो कार्यकाल से अधिक शक्ति, संकल्प एवं जिजीविषा के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सीटों के लिहाज से भाजपा को भले ही नुकसान हुआ, लेकिन लगातार तीसरी बार वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। ओडिशा और तेलंगाना में पार्टी ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबको चौंकाया है। ओडिशा में लोकसभा ही नहीं, विधानसभा में भी पार्टी ने बीजू जनता दल का 24 साल से चला आ रहा वर्चस्व तोड़ा। अरुणाचल प्रदेश की 60 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में 54 प्रतिशत मत और 46 सीटों के प्रचंड बहुमत के बल पर भाजपा सरकार बनाने में सफल हुई है। वहीं, गुजरात, छतीसगढ़ और मध्य प्रदेश भाजपा के गढ़ बने हुए हैं, जबकि देश की राजनीति में अब भी मोदी सबसे बड़े एवं वर्चस्वी नेता है। वे अब भी अपने चौंकाने वाले एवं आश्चर्य में डालने वाले विलक्षण एवं अनूठे फैसलों से राष्ट्र को विकास की नई उड़ान देते रहेंगे। भाजपा को कम सीटें मिले कारणों की समीक्षा एवं मंथन करते हुए अपनी हार के कारणों को सहजता एवं उदारता से स्वीकारना चाहिए एवं जिन गलतियों के कारण कम सीटें मिली, उन्हें दूर करना चाहिए। इस बार के चुनाव को नियोजित एवं प्रभावी तरीके से सम्पन्न करने में चुनाव आयोग की भूमिका सराहनीय रही। भले ही इंडिया गठबंधन ने ईवीएम और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लगाकर देश एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कलंकित किया था। लेकिन चुनाव परिणाम ने न केवल इस प्रकार के भ्रामक, गुमराह करने वाली बातों एवं मिथकों को तोड़ दिया, बल्कि इसने भारत के जीवंत, बहुलतावादी, पंथनिरपेक्षी और स्वस्थ लोकतांत्रिक छवि को पुनर्स्थापित किया है। प्रधानमंत्री मोदी का अंधविरोध करने वाला वाम-जिहादी-सम्प्रदायवादी राजनीतिक समूह अपने इस वाहियात प्रलाप एवं राष्ट्र-विरोधी षड्यंत्र में कोई कमी नहीं छोड़ी। बावजूद इसके इंडिया गठबंधन के घटक दलों के लिये चुनाव परिणाम अनेक अर्थों में संतोषजनक रहे हैं। कांग्रेस के लिये यह चुनाव नये जीवन का वाहक बना हैं। वैसे भी एक आदर्श लोकतंत्र के लिये सशक्त विपक्ष का होना जरूरी है, यही लोकतंत्र को खूबसूरती देता है। भारतीय मतदाताओं ने इंडिया गठबंधन को विपक्षी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाने का संदेश दिया है। इस बार के चुनाव परिणाम अनेक राजनीतिक दलों के सामने भी अनेक प्रश्न खड़े किये हैं। कौन जेल में रहेगा, इसका फैसला अदालतें करती हैं। परंतु दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस चुनाव को अपने जेल के अंदर रहने या बाहर रहने का अधिकार मतदाताओं को सौंपा था, जिसका नतीजा यह रहा कि उनके शासित वाले दिल्ली में 'आप' का खाता तक नहीं खुला, तो वहीं उनकी पार्टी पंजाब में विधानसभा चुनाव-2022 का चमत्कार दोहराने में विफल हो गई और 13 में से केवल 3 सीटें ही जीत पाई। शरद पवार का राजनीतिक वारिस कौन और असली शिवसेना किसकी? क्या माया और ममता अब भी ताकतवर हैं? यह चुनाव ऐसे ही कई सवालों के साथ शुरू हुआ था। इनमें से कुछ के जवाब मिल गए हैं और कुछ के बाकी हैं। जिस तरह के नतीजे आए हैं, उससे यह संदेह भी पैदा हुआ है कि क्या देश में आर्थिक सुधार जारी रहेंगे? क्या देश विकास के पथ पर अग्रसर होता रहेगा? नीतिगत स्थिरता का क्या होगा? शायद इसी संदेह की वजह से शेयर बाजार में भारी गिरावट आई। लेकिन नरेन्द्र मोदी के पहले भाजपा मुख्यालय में दिये उद्बोधन एवं गठबंधन दलों के साथ हुई बैठक में इन सवालों के जवाब काफी हद तक मिल गये, जिससे शेयर बाजार ने भी तेजी पकड़ी है एवं भाजपा एवं सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है। देश एक बार फिर गठबंधन सरकारों के युग में प्रवेश कर रहा है। अब यह एक हकीकत है कि मौजूदा जनादेश के मद्देनजर गठबंधन सरकार बनाना भाजपा की मजबूरी हो गई है। निश्चित रूप से पूर्ण बहुमत के साथ सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने और अल्पमत में सहयोगी दलों के साथ सरकार चलाने में बड़ा फर्क है। सवाल उठाया जा रहा है कि पूर्ण बहुमत वाले दो कार्यकालों में देशहित के बड़े फैसले लेने वाली भाजपा क्या गठबंधन के सहयोगियों के दबाव के बीच शासन करने में खुद को सहज महसूस कर सकेगी? लेकिन मोदी के नेतृत्व में सरकार मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी और अपने संकल्पों एवं योजनाओं को आकार देगी, इसमें कोई संदेह नजर नहीं आती। देश में केंद्रीय स्तर 2009 के बाद पहली बार गठबंधन सरकार बनने जा रही है। अतीत में नरसिंह राव और अटल बिहारी वाजपेयी ने गठबंधन सरकारों का कुशलता से संचालन भी किया है और आवश्यक सुधारों को भी आगे बढ़ाया है। मनमोहन सिंह ने भी दस वर्ष तक गठबंधन सरकार का संचालन किया है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि उन्हें किस तरह कई बार सहयोगी दलों के अनुचित दबाव में झुकना पड़ा। अटल बिहारी वाजपेयी भी गठबंधन सरकार की चुनौतियों से जूझते रहे। लेकिन मोदी की स्थितियां भिन्न है, वे राजनीति के धुरंधर खिलाड़ी है, अमित शाह राजनीतिक जोड़ तोड़ के खिलाड़ी है, इसे देखते हुए भाजपा और उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार सफलतापूर्वक अपना काम कर सकेगी, ऐसा विश्वास है। न केवल सरकार बल्कि भाजपा के बड़े मुद्दों का भी क्रियान्वयन होगा। जब-जब भाजपा के सामने अनुचित राजनीतिक दबाव की स्थितियां बनेगी, सरकार कोई सार्थक रास्ता निकाल लेगी। वैसे भी भाजपा बहुमत के आंकड़े से ज्यादा दूर नहीं है, इसलिए यह उम्मीद की जाती है कि तेलुगु देसम पार्टी, जनता दल-यू, शिवसेना समेत अन्य सहयोगी दलों के साथ उसके लिए सरकार चलाना कहीं अधिक आसान होगा। इसके बाद भी इतना तो है ही कि प्रधानमंत्री मोदी पहली बार गठबंधन सरकार का संचालन करेंगे।

संपादकीय

मोदी के बाद योगी ने खूब बहाया पसीना

आम चुनाव के नतीजों की उलटी गिनती शुरू हो गई है। अगर नतीजे एक्जिट पोल जैसे ही रहते हैं तो मोदी का प्रधानमंत्री बनना तय है। यूं तो हर जीत का सेहरा सेनापति के ही सेहरे पर बंधता है। नरेंद्र मोदी बीजेपी के हरावल दस्ते के अगुआ हैं, इसलिए निस्संदेह मौजूदा जीत उनकी ही होगी। लेकिन इस जीत के बीजेपी की ओर से कई और नायक भी हैं। मोदी और अमित शाह की जोड़ी को भारतीय राजनीति की सबसे सफल जोड़ी की प्रतिष्ठा हासिल हो चुकी है। जाहिर है कि इस जीत के नायक अमित शाह भी हैं। लेकिन बीजेपी के तीसरी बार सत्तारोहण में एक और शख्स की मेहनत भी शामिल है। ये शख्स हैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अठारहवीं लोकसभा के चुनाव को लेकर बीजेपी ने जबरदस्त मेहनत की। उसने बेहतर रणनीति बनाई। चुनावी मैदान पर वोटरों को लुभाने के लिए सबसे ज्यादा मेहनत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। 73 साल की उम्र में उन्होंने कितना पसीना बहाया, इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अकेले 206 चुनावी रैलियां की या रोड शो किए। पूर्वोत्तर भारत के कुछ-एक इलाकों को छोड़ दें तो तकरीबन समूचे देश में उन्होंने रैली और रोड शो नहीं किया है। भारत में अगर 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने वोटिंग किया है, उन्हें मतदान केंद्रों तक बुलाने में राजनीतिक दलों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। जिसमें सबसे बड़ी भूमिका प्रधानमंत्री मोदी की रही है। दिलचस्प यह है कि बीजेपी की ओर से लोगों को लुभाने के लिए जिन नेताओं ने मेहनत की है, उनमें दूसरे नंबर पर अगर कोई है तो वे हैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। उन्होंने देशभर में करीब 197 रोड शो और रैलियां की हैं। बीजेपी के चुनाव प्रचार में योगी आदित्यनाथ की मांग उत्तर प्रदेश में रहनी थी। वैसे उत्तर प्रदेश में पार्टी को जिताना उनकी जिम्मेदारी भी थी। लेकिन उत्तर प्रदेश के बाहर भी उनकी खूब मांग रही। योगी जी ने उत्तर प्रदेश से बाहर बारह राज्यों उत्तराखंड, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, जम्मू, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, ओडिशा, चंडीगढ़, हरियाणा और दिल्ली जैसे बारह राज्यों में उन्होंने प्रचार किया। योगी को लेकर देश का कथित प्रबुद्ध वर्ग विरोधी भाव रखता है। लेकिन चुनाव अभियान में प्रबुद्ध लोगों को लुभाने के लिए उन्होंने प्रबुद्ध लोगों की पंद्रह सभाओं को भी संबोधित किया। मौजूदा चुनाव अभियान जैसे शुरू हुआ था, एक अफवाह फैलाई गई कि उत्तर प्रदेश में अगर बीजेपी जीती तो योगी आदित्यनाथ को हटा दिया जाएगा।

ऑटो पलटने से एक की मौत, 5 घायल

भोपाल में बस से टकराने के बाद हादसा, हैंडल और सीट के बीच फंसा रहा चालक

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के शाहजहांनाबाद थाने से भोपाल टॉकीज जाने वाली सड़क पर गुरुवार दोपहर एक ऑटो पलट गया। हादसे के समय ऑटो में एक की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। ऑटो में चालक समेत तीन महिला और दो पुरुष सवार थे। चालक ने लापरवाही से ऑटो से बस को ओवरटेक करने का प्रयास किया था। इसी बीच, बस से टकराने के बाद तेज रफ्तार ऑटो पलट गया। घटना में सभी सवारी सहित चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। ऑटो के हैंडल और सीट के बीच दबे चालक को राहगीरों ने करीब आधे घंटे की मेहनत के बाद निकाला। पुलिस के मुताबिक इलाज के दौरान शम को गौतम नगर नारियलखेड़ा निवासी बलराम दास सेन (50) की मौत हो गई। वह कलेक्टोरेट में राजधानी परियोजना प्रशासन में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे।शाहजहांनाबाद थाने के टीआई यूपीएस चौहान ने बताया कि थाने से भोपाल टॉकीज की ओर जाने वाली सड़क पर बड़ा बाग कब्रिस्तान के सामने हरे रंग का ऑटो चौहान ट्रैवल्स की एक बस को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था। तभी तेज रफ्तार ऑटो बस से टकराने के बाद पलट गया। ऑटो में चालक सहित 6 लोग सवार थे। सभी को चोटे आई हैं। राहगीरों की मदद से घायलों को ऑटो से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।

ऑटो में सवार ये लोग हुए घायल

हादसे के समय ऑटो में गीता बाई (40), फरहान खान (29) तीनों निवासी फूटा मकबरा छोला सहित महनाज खान और लक्ष्मी बाई (25) दोनों निवासी आरिफ नगर सवार थीं। जबकि ऑटो चालक अमान खान निवासी बाग उमराव दूल्हा गंभीर रूप से घायल हुआ है। वह ऑटो में करीब आधे घंटे तक फंसा रहा था। उसके चेहरे, पांव और हाथ सहित सिर में चोट लगी है।

ट्रैफिक जाम के हालात बने

हादसे के बाद शाहजहांनाबाद से भोपाल टॉकीज की ओर आने वाली सड़क पर जाम के हालत बन गए। लोगों ने बस की लापरवाही मानकर बस को भी रोक लिया था। हालांकि सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और बस और ऑटो को साइड में खड़ा कराकर यातायात को व्यवस्थित कराया।

भोपाल के छोटा तालाब में फेंका कचरा, भड़कीं महापौर

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के छोटा तालाब में कचरा फेंकने पर महापौर मालती राय एक व्यक्ति पर भड़क गईं। महापौर ने उसे फटकार लगा दी। इस पर व्यक्ति ने भी अपनी गलती मानते हुए कान पकड़े और कहा कि आगे से वह ऐसा नहीं करेगा। इधर, महापौर, एमआईसी मेंबर-पार्षद समेत अफसरों ने शिरिन नदी में पहुंचकर श्रमदान किया। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता हटते ही जनप्रतिनिधि अब एक्शन मोड में आ गए हैं। वे शहर में भ्रमण कर रहे हैं। वहीं, निर्माण कार्यों का जायजा भी ले रहे हैं। शुक्रवार सुबह महापौर राय भी मैदान में उतरीं। झील संरक्षण को लेकर भ्रमण करते हुए महापौर ने छोटा तालाब में बोरी भरकर कचरा फेंकने वाले एक व्यक्ति को देखा। इसके बाद उन्होंने गाड़ी रुकवाकर व्यक्ति को फटकार लगा दी। उक्त व्यक्ति ने भी अपने कान पकड़ते हुए कहा कि अब वह कभी भी तालाब या अन्य किसी जलस्रोत में कचरा नहीं फेंकेंगे।

हर रोज सुबह 8 से 10 बजे तक स्वच्छता अभियान

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत भोपाल के तालाब, झील, कुएं-बावड़ियों व अन्य जल संरचनाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विशेष स्वच्छता की गतिविधियां की जा रही हैं, जो 15 जून तक चलेगी। हर रोज 8 से 10 बजे तक अभियान चलेगा। जिसमें जनप्रतिनिधि, अधिकारी और कर्मचारी शामिल होंगे। शुक्रवार सुबह भी यह गतिविधि हुई। कोहेफिजा स्थित शिरिन नदी में झील संरक्षण के कार्यक्रम के तहत सामूहिक श्रमदान किया। महापौर राय, निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण, एमआईसी मेंबर रविंद्र यति, राजेश हिंगोरानी, जोन अध्यक्ष विनिता सोनी, पार्षद प्रियंका मिश्रा, अपर आयुक्त टीना यादव भी मौजूद थे।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
संजीव कुमार (ब्यूरो प्रभारी भोपाल) 08224965455
email: newscrimefile@yahoo.com

अपहरण मामले में 8 लोग गिरफ्तार

10 लाख फिरौती मांगी थी, शिनाख्ती के बाद आरोपियों के नाम जारी होंगे

न्यूज क्राइम फाइल

4 जून को खुलमारा पुल के ऊपर अज्ञात व्यक्तियों ने सुनील भटेरे के किए गए अपहरण मामले में लांजी पुलिस ने 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पैसों के लालच में सुनील भटेरे का अपहरण किया था।

ये था पूरा मामला

डबल मनी 10 लाख की राशि की डिमांड को लेकर कुछ अज्ञात लोगों ने सुनील भटेरे का अपहरण किया था और उसे काफी प्रताड़ित किया। इसके बाद आरोपी राज ना खुल जाए, यह सोचकर उन्होंने बिना फिरौती लिए ही सुनील को गाड़ी से फेंककर फरार हो गए थे। अपहरणकर्ताओं ने फेंककर भाग जाने के बाद पीड़ित सुनील भटेरे ने बताया था कि जब वह घर आ रहा था। इसी दौरान रास्ते में पुल पर चौपहिया वाहन से दो अज्ञात व्यक्ति उतरे, जिन्होंने सुनील की आंखों पर पट्टी बांधकर

अपहरण कर लिया। सुनील के अनुसार आंख पर पट्टी बांधकर करीब एक डेढ़ घंटे का सफर कर अज्ञात आरोपी उसे सुनसान इलाके में लेकर गए। जिन्होंने उससे कहा कि डबल मनी मामले के रुपए रखे हुए हैं, उसे वह उनके हवाले कर दे। सुनील के अनुसार जब उसने रुपए नहीं होने की बात कही तक उन्होंने उसके साथ मारपीट की। वहीं रेलवे पटरी पर लिटाकर उसे रेल से कटवा देने की धमकी भी दी गई। आंखों पर पट्टी बंधी होने के कारण वह किसी को पहचान नहीं पाया और कौन से स्थान पर उसे लेकर गए थे, यह भी उसे नहीं मालूम। सुनील के अनुसार दूसरे दिन जब आरोपी उसे चौपहिया वाहन से लेकर घूम रहे थे। पीड़ित सुनील भटेरे की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस ने विवेचना में लिया था। जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस ने 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिन्होंने अपना अपराध स्वीकार किया है, लेकिन पुलिस ने पीड़ित की शिनाख्ती तक आरोपियों को बेपर्दा कर रखा है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए अपहरणकर्ताओं से एक देशी कट्टा, 2 जिंदा कारतू, चौपहिया वाहन, दो बाइक और नगद 10 हजार 350 रूपए जब्त किए हैं। लांजी पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिनाख्ती के बाद सभी आरोपियों के नामों का खुलासा किया जाएगा। कार्रवाई में एसडीओपी सतेन्द्र घनघोरिया , थाना प्रभारी दिनेश सोलंकी, उनि. संजय सिंह किरार, सुंदरलाल पवार, एएसआई देवराजसिंह धुर्वे, तोपसिंह उइके, प्रआर. पवन मर्सकोले, आरक्षक मनोज गुर्जर, नवीन कुल्हाड़े, चेतन सोनी, नरेन्द्र सोनवे, रविन्द्र राउत, विजय सिसोदिया, सचिन बुंदेला, भोलाराम ओसारी, रूपसिंह रावत, रूपेन्द्र ठाकरे, भूपेन्द्र नागवंशी, मनोहर झाड़ेकर, पवन धाकड़, दिलीप यादव, नेमीचंद सेपट, सुरेन्द्र चंदेल, मआर. अनारकली भारद्वाज, प्रीति प्रजापति, प्रआ. सोमेन्द्र डहरवाल, आर. पंकज विष्ट और आर. बलराम यादव की भूमिका रही है।

प्रॉपर्टी टैक्स का 18 लाख रुपए बकाया; कुर्की

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में नगर निगम ने कुर्की की दूसरे दिन शुक्रवार को भी कार्रवाई की। प्रॉपर्टी टैक्स का कुल 18 लाख रुपए बकाया होने पर एक फ्लैट और एक ऑफिस कुर्क किया गया। जोन नंबर-13 के अमले ने वार्ड-53 के अंतर्गत आदिनाथ बिल्डर द्वारा संपत्तिकर की बकाया राशि 14 लाख रुपए का भुगतान न करने पर 1 फ्लैट कुर्क किया। इसी प्रकार संपत्तिकर की बकाया राशि 4 लाख 73 हजार रुपए का भुगतान न करने पर युवराज सिंह के सी-21 मॉल स्थित कार्यालय को भी कुर्क करने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई से पहले निगम ने दोनों को ही नोटिस दिए थे। बावजूद प्रॉपर्टी टैक्स की राशि जमा नहीं कराई गई।

सफाई व्यवस्था में व्यवधान, 456 केस, 1.22 लाख रुपए वसूले

नगर निगम ने सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी व प्रदूषण फैलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की। शुक्रवार को निगम के जोन-8 के अमले ने रिवेयरा टाउन के पास संचालित सांची पार्लर में प्रतिबंधित पालीथीन थैली बैग व सिंगलयूज प्लास्टिक का उपयोग करते हुए पाए जाने और संचालक द्वारा अनुज्ञप्ति न दिखाने पर 5 हजार रुपए का स्पॉट फाइन किया गया। साथ ही 3 किलोग्राम प्रतिबंधित पालीथीन जप्त की गई। निगम अमले ने शहर के अन्य क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने, प्रदूषण फैलाने, कचरा पृथक्कीकरण न करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 456 प्रकरणों में 1 लाख 22 हजार 850 रुपए का स्पॉट फाइन भी वसूला।

फोटो कैप्शन

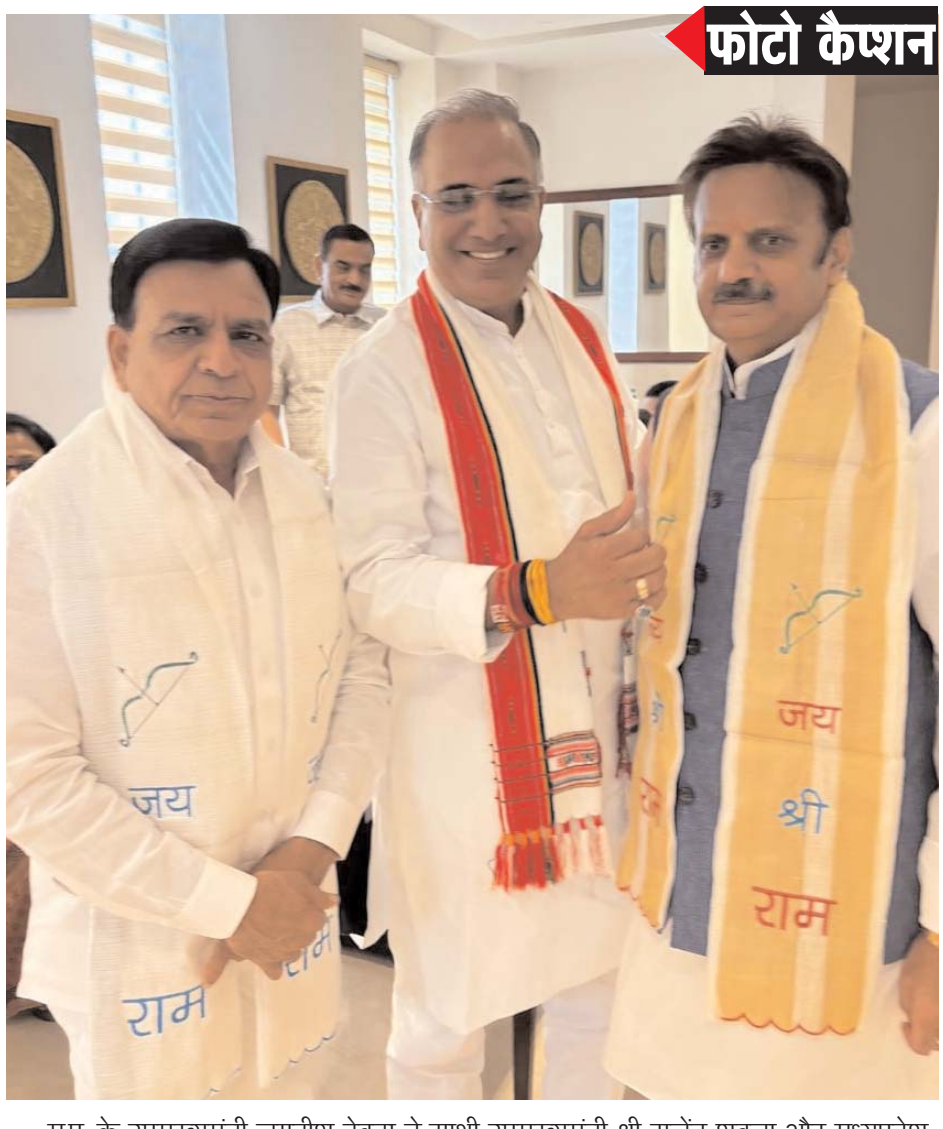

म.प्र. के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने साथी उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला और मध्यप्रदेश से नवनिर्वाचित सांसद श्री सुधीर गुप्ता जी, श्री आलोक शर्मा एवं राज्यसभा सांसद श्री सुमेर सोलंकी जी सहित अन्यजन से सौजन्य भेंट की।

कुवैत के खिलाफ खेला आखिरी इंटरनेशनल मैच

छेत्री ने फुटबॉल से संन्यास लिया

न्यूज क्राइम फाइल

भारतीय कप्तान सुनील छेत्री ने फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। 39 साल के छेत्री ने गुरुवार को कुवैत के खिलाफ करियर का आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला, जो गोलरहित ड्रॉ रहा। छेत्री कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम से हाथ जोड़कर रोते हुए बाहर निकले। यहां दोनों टीमों के खिलाड़ियों उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन दिया। इस ड्रॉ मैच से स्न्ड्ढस्न्न क्वालिफायर में भारत के तीसरे दौर में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा है। टीम इंडिया को अगला मुकाबला कतर के खिलाफ खेलना होगा। छेत्री इंटरनेशनल फुटबॉल में भारत के टॉप गोल स्कोरर हैं। वे 19 साल के करियर में 94 गोल कर चुके हैं। वे सबसे ज्यादा गोल करने वाले दुनिया के एक्टिव फुटबॉलर की लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं।

स्टेडियम में गूंजे छेत्री-छेत्री के नारे

भारतीय कप्तान अपने आखिरी मुकाबले में गोल नहीं कर सके। इसके बावजूद स्टेडियम छेत्री-छेत्री के नारों से गूंज उठा। मुकाबले के बाद छेत्री की विदाई के वक्त भारत और कुवैत के खिलाड़ियों ने खड़े होकर तालियां बजाईं। मैच के बाद भारतीय कप्तान सुनील छेत्री को स्टैंडिंग ओवेशन देते भारतीय और कुवैत की टीम के खिलाड़ी। मैच के बाद भारतीय कप्तान सुनील छेत्री को स्टैंडिंग ओवेशन देते भारतीय और कुवैत की टीम के खिलाड़ी।

छेत्री दुनिया के तीसरे टॉप एक्टिव गोल स्कोरर

भारतीय टीम के लिए छेत्री के नाम 94 गोल हैं। वो क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी के बाद सबसे ज्यादा इंटरनेशनल गोल करने वाले एक्टिव खिलाड़ी हैं।

अपने पहले होम ग्राउंड में आखिरी मैच खेला

19 साल पहले सुनील छेत्री ने साल 2002 में मोहन बागान के साथ छेत्री ने प्रोफेशनल फुटबॉल करियर की शुरुआत की थी। कोलकाता का सॉल्ट लेक स्टेडियम मोहन बागान का होमग्राउंड है। वर्ल्ड फुटबॉल के स्लीपिंग जायंट्स कहे जाने वाले देश की फुटबॉल की उम्मीदों को आगे बढ़ाया है। 150 मैचों में 94 गोल और एक दर्जन ट्रॉफियों के साथ, भारतीय कप्तान भारतीय फुटबॉल के यानी ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम रहे हैं।

छेत्री को खेल रत्न, पद्म श्री और अर्जुन पुरस्कार मिला

■सुनील छेत्री का जन्म 3 अगस्त, 1984 को सिकंदराबाद में हुआ था। उनके पिता केबी छेत्री आर्मी मैन थे, जबकि मां सुशीला नेपाल की नेशनल फुटबॉल टीम के लिए खेल चुकी हैं।

■छेत्री को साल 2021 में खेल रत्न अवॉर्ड से नवाजा गया। इससे पहले उन्हें 2019 में पद्म श्री और 2011 में अर्जुन पुरस्कार मिला था। इसके अलावा छेत्री ने अपने शानदार करियर में छह बार प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीता।

■सुनील छेत्री ने भारत के लिए साल 2005 में सीनियर टीम में डेब्यू किया था। बाईचुंग भूटिया के बाद उन्होंने टीम की कमान संभाली। उन्होंने भारत के लिए 150 मैचों में 94 गोल किए हैं। छेत्री के पास कुवैत के खिलाफ अच्छी यादें हैं। पिछले साल उन्होंने भारत की कप्तानी करते हुए बेंगलुरु में 2023 स्स्न्स्न चैंपियनशिप में के फाइनल में कुवैत को पेनाल्टी में 5-4 से हराया था।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर का सफर

कुवैत के खिलाफ ड्रॉ मैच से भारत के तीसरे दौर में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा है। फिलहाल, टीम ग्रुप-ए की पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है। टीम ने 5 मैच में से एक जीत हासिल की है, जबकि 2 मुकाबले गंवाए हैं और 2 ड्रॉ रहे।

दुनिया की दूसरी सबसे वैल्युएबल कंपनी बनी एनवीडिया

आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल को पीछे छोड़ा, मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर के पार

न्यूज क्राइम फाइल

अमेरिका की सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया एपल को पीछे कर दुनिया की दूसरी सबसे वैल्युएबल कंपनी बन गई है। एनवीडिया कॉर्प का शेयर बुधवार 5 जून को 60.03 डॉलर (5.16 प्रतिशत) की तेजी के साथ 1,224.40 डॉलर (करीब 1,86,958 रुपए) पर बंद हुआ। शेयर में आई इस तेजी से कंपनी का मार्केट कैप 3.01 ट्रिलियन डॉलर (करीब 251 लाख करोड़ रुपए) हो गया है। वहीं, एपल का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर (करीब 250 लाख करोड़) है। बुधवार को एपल का शेयर 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 195.87 डॉलर पर बंद हुआ है।

2002 में एनवीडिया का मार्केट कैप एपल से आगे निकला था

साल 2002 में भी एनवीडिया का मार्केट कैप एपल से आगे पहुंच गया था। तब दोनों कंपनियों का मार्केट कैप 10 बिलियन डॉलर यानी, करीब 83,000 करोड़ रुपए से कम था। 5 साल बाद 2007 में एपल ने पहला आईफोन लॉन्च किया, उसके बाद उसका मार्केट कैप तेजी से बढ़ा।

पिछले 6 महीने में एनवीडिया के शेयर ने 169.08 प्रतिशत का रिटर्न दिया

एनवीडिया के शेयर में पिछले 5 कारोबारी दिनों में 6.93प्रतिशत और 6 महीने में 169.08 प्रतिशत की तेजी आई है। इस साल अब तक एनवीडिया के शेयर ने 154.19प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, पिछले एक साल में एनवीडिया का शेयर 216.76प्रतिशत और पिछले 5 साल में 3,265.59 प्रतिशत चढ़ा है।

दुनिया की सबसे वैल्युएबल सेमीकंडक्टर फर्म

एनवीडिया पहले से ही दुनिया की सबसे वैल्युएबल सेमीकंडक्टर फर्म है। NVIDI के भारत में चार इंजीनियरिंग डेवलपमेंट सेंटर हैं। ये हैदराबाद, पुणे, गुरुग्राम और बेंगलुरु में स्थित हैं। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, एनवीडिया अपने एक्सेलेटर को अपग्रेड करने की योजना बना रही है।

डिजाइन और मैन्युफैक्चर करती है कंपनी

एनवीडिया एक टेक्नोलॉजी कंपनी है, जो ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट के डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग के लिए जानी जाती है। 1993 में जेन्सेन हुआंग, कर्टिस प्रीम और क्रिस मालाचोव्स्की ने इसकी स्थापना की थी। इसका मुख्यालय कैलिफोर्निया के सांता क्लारा में है। एनवीडिया गेमिंग, क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग और प्रोफेशनल एप्लिकेशन्स के लिए चिप को डिजाइन और मैन्युफैक्चर करती है। इसके साथ-साथ व्हीकल्स, रोबोटिक्स और अन्य उपकरणों में भी उसके चिप सिस्टम का इस्तेमाल होता है।

कंपनी के सीईओ जेन्सेन हुआंग की नेटवर्थ 89 लाख करोड़

ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार, बुधवार को शेयर में उछाल से कंपनी के सीईओ जेन्सेन हुआंग की नेटवर्थ में 5 बिलियन डॉलर से ज्यादा (करीब 41 हजार करोड़ रुपए) की बढ़ोतरी हुई, जिससे उनकी कुल नेटवर्थ 107.4 बिलियन डॉलर (करीब 89 लाख करोड़) हो गई।

एपल को इस साल चुनौतियों का सामना करना पड़ा

इस साल एपल को चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, चीन में आईफोन की घटती मांग और यूरोपीय यूनियन से जुर्माने की चिंताओं के कारण इसके शेयरों पर दबाव पड़ा है। बुधवार को एपल का शेयर 0.78प्रतिशत की तेजी के साथ 195.87 डॉलर पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में एपल के शेयर में 7.79प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने में एपल के शेयर में 1.85प्रतिशत और एक साल में 9.30प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

बाल संप्रेक्षण गृह से बाल अपचारियों के भागने की कहानी...

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर में बाल संप्रेक्षण गृह से भागे पांच बाल अपचारियों के भागने की पूरी कहानी फिल्मी है। सभी बाल अपचारी एक ही रूम में रहते थे। पिछले सात दिन से यह साथ-साथ नजर आ रहे थे। ऐसा माना जा रहा है कि उसी दिन से इनकी प्लानिंग चल रही थी। टॉयलेट में वेंटीलेशन के लिए बनाए गए रोशनदान को हर दिन थोड़ा-थोड़ा खोद रहे थे। देर रात टॉयलेट के लिए एक-एक करके जाते थे और धीरे-धीरे बिना आवाज करे खोदते थे। जब पूरी तरह रोशनदान की ग्रिल निकाल ली और लगा कि अब वह निकल सकते हैं। इसके बाद गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात 3 से 5 बजे के बीच एक-एक कर टॉयलेट के लिए पहुंचे और भाग निकले। पूरी प्लानिंग एक फिल्म के सीन की तरह लग रही है। पुलिस अफसरों का कहना है कि इतनी कम उम्र में इन बाल अपचारियों का इतना शातिर दिमाग है सोचा नहीं था। अब अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों को पुलिस खंगाल रही है।

भागने वाले बाल आरोपियों का प्रोफाइल

01 जनकगंज निवासी 16 वर्षीय बाल अपचारी इतना खतरनाक है कि उसने एक युवक की मुखबिरी के संदेह में बेरहमी से हत्या कर दी थी। बाल अपचारी और उसका पिता स्मैक तस्करी करते थे। दो से तीन बार पुलिस ने उसके पिता को पकड़ा तो उनको लगा कि पास रहने वाला उनकी मुखबिरी कर रहा है। इस पर उसे घर बुलाकर पहले हत्या की फिर पड़ोसी से बका मांगकर लाया और शव के 50 से ज्यादा टुकड़े किए। इसके बाद उनको नाले में फेक दिया। एक महीने बाद धड मिला था। जिसके बाद मामले का खुलासा हुआ। 02 बाल

सुधार गृह से भागने वाला दूसरा आरोपी भिंड के अमायन निवासी 16 वर्षीय बालक है। ये ग्वालियर थाना में साल 2022 में घर में घुसकर चोरी की वारदात में मुख्य आरोपी था। 03 बाल सुधार से भागने वाला तीसरा आरोपी सिरोल निवासी 17 साल 11 महीने का बालक है। ये शातिर नकबजन है। ये मुरार में एक सूने घर के ताले चटकाकर लाखो रुपए की चोरी में माहिर है। पुलिस ने इसे छह महीने पहले ही पकड़ा था। 04 बाल सुधार गृह से भागने वाला चौथा आरोपी राजगढ़ निवासी 16 साल का बालक है। ये भितरवार थाना में कुछ महीने पहले वाहन चोरी में पकड़ा गया था। वहा से इसे पकड़ने के बाद बाल न्यायालय में पेश कर बाल संपरेक्षण गृह में भेजा गया था। 05 बाल सुधार गृह से भागने वाला पांचवा आरोपी सिर्फ 14 साल का है और ये मुरैना का रहने वाला है। ये पालक झपकते ही वाहन चोरी कर ले जाता है। ये ग्रुप में सबसे शातिर आरोपी है।

पुलिस ने दो बाल अपचारियों को पकड़ा

बता दें कि संप्रेक्षण गृह में गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात टॉयलेट के रोशनदान को उखाड़कर फरार हुए पांच बाल अपचारियों में से बामौर और घोसीपुरा में रहने वाले दो अपचारियों को पुलिस ने पकड़ लिया है। इन अपचारियों में बामौरा का पकड़ा गया आरोपी एक शातिर वाहन चोर है। वही पकड़ा गया दूसरे आरोपी ने अपने पिता के साथ मिलकर एक व्यक्ति की हत्या कर उसके शवों को ग्वालियर के इंदरगंज थाना क्षेत्र के मोटे महादेव मंदिर के पास नाले में फेंक दिया था। इस आरोपी को पुलिस ने मानव धड़ के डीएनए की टेस्ट के बाद गिरफ्तार कर बाल संप्रेक्षण गृह में पहुंचा दिया था। वही पुलिस अभी फरार 3 बाल अपचारियों की तलाश कर रही है

ऐसे समझिए पूरा मामला

ग्वालियर के बाल संप्रेक्षण गृह में गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात 5 बाल अपचारी टॉयलेट के रोशनदान को उखाड़कर फरार हो गए थे। घटना में चार आरोपी चोरी और एक हत्या का आरोपी है। बाल सुधार गृह से बाल अपचारियों के भागने का पता शुक्रवार सुबह 6.20 बजे पता लगा है। जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों के भागने पर मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

कुल 12 बाल अपचारी थे अंदर

ऐसा बताया गया है कि बाल सम्प्रेक्षण गृह में कुल 12 बाल अपचारी रह रहे थे, जो पांच बाल अपचारी भागे हैं वह सभी एक ही रूम में रहते थे। इसी दौरान उन्होंने यह भागने की योजना बनाई है। फिल्मी स्टाइल में धीरे-धीरे टॉयलेट के रोशनदान को निकालने का काम करते रहे। मौका पाते ही गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात फरार हो गए। पुलिस को घटना का पता शुक्रवार सुबह सवा छह बजे चला है। जिसके बाद पुलिस बाल अपचारियों की तलाश में जुट गई है।

छह महीने में दूसरी घटना

बाल संप्रेक्षण गृह से बाल अपचारियों के भागने का यह छह महीने में दूसरा मामला है। इससे पहले 25 जनवरी 2024 की सुबह छह बाल अपचारी मैदान में खेलते समय दीवार कूंदकर भाग गए थे। एक आरोपी को गार्ड व रसोइया ने वहीं मौके से पकड़ लिया था, लेकिन पांच आरोपी भागने में सफल रहे थे। उस घटना के बाद से दीवार पर ऊंचे ऊंचे कांटे वाले तार लगा दिए गए हैं। साथ ही पेड़ों को भी तारों से लपेट दिया गया है।

बाकी तीन फरारअपचारियों की तलाश कर रही पुलिस टीम

थाटीपुर थाना सर्किल के सीएसपी राजीव जंगले ने बताया कि बाल संप्रेक्षण गृह से फरार हुए पांच अपचारियों में से दो अपचारियों को गिरफ्तार कर लिया है, इसमें बामौर और घोसीपुरा काबाल अपचारी शामिल है। बाकी फरार चार अपचारियों की तलाश की जा रही है जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सागर में पिता ने की बेटी की हत्या, गिरफ्तार

न्यूज क्राइम फाइल

सागर के बहेरिया थाना क्षेत्र के ग्राम चनाटोरिया में सोते समय साढ़े तीन माह की बच्ची की संदेहास्पद परिस्थितियों में मौत हो गई। दूसरे दिन बच्ची के शव को दफना दिया गया। इसी बीच मृतका की मां ने थाने पहुंचकर शिकायत की। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। बच्ची के शव को निकालकर पोस्टमार्टम कराया गया। पीएम रिपोर्ट में मुंह दबाने से दम घुटने से बच्ची की मौत होना कारण सामने आया है। पीएम रिपोर्ट के आधार पुलिस ने मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया। जांच में सामने आया कि बच्ची की हत्या उसके ही पिता ने की थी। पुलिस के अनुसार फरियादिया आरती पति

घनश्याम राठौर उम्र 24 साल निवासी चनाटोरिया ने थाने में शिकायत करते हुए बताया कि 24 मई की रात करीब 11 बजे पति, मैं और साढ़े तीन माह की बेटी सो रहे थे। रात करीब 2.30 बजे मैं और मेरा पति घनश्याम सोकर उठे तो देखा कि बेटी लक्ष्मी बिस्तर पर मृत अवस्था में पड़ी है। मामले की जानकारी आस-पड़ोस के लोगों को दी। रिश्तेदारों को बताया। जिसके बाद 25 मई की सुबह बेटी के शव को तालाब के पास दफना दिया था। बेटी की मौत पर मुझे संदेह है। शिकायत पर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया। जांच के दौरान पुलिस ने परिवार वालों से पूछताछ की।

पत्नी के बयान से खुली पति की पोल

पूछताछ के दौरान मृतका की मां आरती राठौर ने घटनाक्रम की हकीकत बताते हुए कहा कि 24 मई की रात घर में सो रहे थे। तभी रात करीब 2.30 बजे पति घनश्याम राठौर ने बेटी लक्ष्मी का मुंह दबाकर हत्या कर दी। बेटी की मौत होने पर आरती ने पति घनश्याम से कहा था कि तुमने मेरी बेटी को क्यो मार डाला। जिस पर उसने धमकाया। डर के कारण घटना किसी को नहीं बताई। कुछ दिन बाद मैंने घटना के संबंध में पड़ोसी बसंत दांगी को बताई थी। बताया जा रहा है कि गर्मी के कारण बच्ची रोई तो आरोपी पिता ने मुंह दबाकर हत्या की थी।

नकुल छिंदवाड़ा में डटे रहेंगे, लेकिन कमलनाथ का रोल तय नहीं; 3 माह बाद असली परीक्षा

हार के बाद नाथ परिवार का राजनीतिक भविष्य क्या

न्यूज क्राइम फाइल

एमपी के पूर्व सीएम कमलनाथ और उनके बेटे और कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ के इन बयानों को डीकोड करें तो समझ आता है कि कमलनाथ अब छिंदवाड़ा का चुनाव नहीं लड़ेंगे। दूसरी तरफ नकुलनाथ के बयान से साफ है कि वे छिंदवाड़ा छोड़कर नहीं जा रहे हैं। कमलनाथ और नकुलनाथ लोकसभा चुनाव के रिजल्ट के बाद कार्यकताओं से बात कर रहे थे। दरअसल, बीजेपी ने इस चुनाव में नाथ परिवार का 45 साल पुराना वर्चस्व तोड़ दिया है। बीजेपी प्रत्याशी बंटी साहू ने 1 लाख से भी ज्यादा वोटों से नकुलनाथ को चुनाव में मात दी। छिंदवाड़ा में अब तक हुए चुनाव में बीजेपी केवल 1997 में हुआ उपचुनाव ही जीत सकी थी। ऐसे में सवाल उठता है कि कमलनाथ और नकुलनाथ के भविष्य की राजनीति क्या होगी? क्या वे दिल्ली की राजनीति में सक्रिय होंगे, यदि वे दिल्ली में कोई भूमिका पसंद भी करते हैं तो क्या उन्हें दिल्ली वाले पहले जितना स्पेस देंगे? नकुलनाथ छिंदवाड़ा में रहेंगे तो वे किस तरह से आगे बढ़ेंगे? राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि कमलनाथ-नकुलनाथ के बयानों से एक बात तो साफ हो गई है कि नाथ छिंदवाड़ा सीट हार जरूर गए हैं, लेकिन संघर्ष के लिए तैयार हैं। 45 सालों से छिंदवाड़ा से अपने रिश्ते को कमलनाथ आगे

भी बरकरार रखना चाहते हैं। वे बेटे को भी यही सीख दे रहे हैं कि एक हार से करियर खत्म नहीं हो जाता। वे भी 1997 में छिंदवाड़ा में चुनाव हारे थे, लेकिन इसके बाद फिर जीत मिली। यही वजह है कि तीसरे चरण की काउंटिंग में पिछड़ने के बाद मतगणना स्थल से शिकारपुर स्थित अपने बंगले लौटने वाले नकुल दो दिन बार फिर रीचार्ज दिखे। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि हार के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन उससे ज्यादा जरूरी ये है कि हमारा रिश्ता बना रहे। 3 महीने बाद अमरवाड़ा में असली परीक्षा है। सब उसकी तैयारी में जुट जाएं।

अब समझते हैं कि 3 महीने बाद किस परीक्षा की बात कर रहे हैं नकुलनाथ

छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा सीट से कांग्रेस की टिकट पर चुने गए विधायक कमलेश शाह ने बीजेपी का दामन थाम लिया। ये वही कमलेश शाह हैं, जिनकी विधानसभा से 2019 के लोकसभा चुनाव में नकुलनाथ को 22 हजार वोटों की सबसे बड़ी लीड मिली थी, लेकिन कमलेश शाह के साथ छोड़ने से इस बार यहां भाजपा के बंटी साहू को 15 हजार वोटों की लीड मिल गई। कमलेश शाह ने अपनी सीट से इस्तीफा दे दिया है। यानी एक बात साफ हो गई है कि अगले 3 महीने में यहां विधानसभा का उपचुनाव होगा। नकुल इसी उपचुनाव को असली परीक्षा बता रहे हैं। चुनाव से पहले वे कमलेश शाह के इस तरह पार्टी छोड़ने पर उन्हें गद्दार तक कह चुके हैं। इस पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा था कि जब तक कमलेश शाह उनके साथ थे तो वफादार थे, भाजपा में आए तो गद्दार कैसे हो गए। सीएम ने नकुल के इस बयान को आदिवासियों का अपमान बताया था।

कांग्रेस के लिए अमरवाड़ा की परीक्षा आसान नहीं

नकुलनाथ जिस अमरवाड़ा को असली परीक्षा बता रहे हैं, वहां बीजेपी बहुत आगे निकल चुकी है। कमलेश शाह अब बीजेपी की टिकट पर अमरवाड़ा से उम्मीदवार होंगे। कांग्रेस के पास यहां कोई दमदार चेहरा नहीं है। कांग्रेस मनमोहन शाह बट्टी की बेटी मोनिका बट्टी को वापस कांग्रेस में लाकर उन पर दांव लगा सकती है। इसमें कमलनाथ की अहम भूमिका होगी, लेकिन अकेले मोनिका के दम पर अमरवाड़ा जीतना भी कांग्रेस के लिए मुश्किल है। गेंद कमलनाथ और नकुलनाथ के पाले में होगी कि वे अमरवाड़ा को बीजेपी के पाले में जाने से रोकने के लिए क्या करेंगे? पॉलिटिकल एक्सपर्ट कहते हैं कि कमलनाथ भले ही छिंदवाड़ा से मौजूदा विधायक हैं, लेकिन इस बात की संभावना बहुत कम है कि वे इन हालात में प्रदेश की राजनीति में दिलचस्पी लें। उनके पास बेहतर विकल्प यही है कि वे बेटे को छिंदवाड़ा में लड़ाई की कमान सौंपकर खुद दिल्ली लौटें।

कांग्रेस नेता को 7 करोड़ की वसूली का नोटिस

उज्जैन में वक्फ बोर्ड की दुकानों के किराएदारों से वसूली का आरोप, एफआईआर दर्ज

न्यूज क्राइम फाइल

उज्जैन में कांग्रेस नेता रियाज खान को वक्फ बोर्ड ने 7 करोड़ रुपए की वसूली का नोटिस दिया है। शिकायत के बाद रियाज के खिलाफ खाराकुआं थाने में एफआईआर भी दर्ज कर ली गई है। उन पर वक्फ बोर्ड की जमीन पर स्थित दुकानदारों से वसूली का आरोप है। रियाज खान युवक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। वर्तमान में उज्जैन शहर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष हैं। दरअसल, रियाज खान पिछले 26 साल वक्फ बोर्ड उज्जैन में अध्यक्ष रहे। इस दौरान वक्फ बोर्ड की संपत्ति की देखरेख करते रहे। 24 अप्रैल को वक्फ बोर्ड भोपाल ने रियाज खान को नोटिस दिया। इसमें अवैध रूप से वर्ष 2006-07 से वर्ष 2022-23 तक 7 करोड़ 11 लाख रुपए की रिकवरी निकालकर सात दिन में जवाब देने के लिए कहा। बोर्ड ने रियाज को पत्र लिखकर कहा कि क्यों न आपके विरुद्ध वक्फ अधिनियम 1995 की धारा 34, 34 के प्रावधानों के तहत उपरोक्त राशि की वसूली आपसे की जाए।

आरोप- किराया वसूली की सूचना वक्फ बोर्ड को नहीं दी

वक्फ बोर्ड ने 2 अगस्त 2023 को जांच समिति गठित कर रियाज के कार्यकाल की जांच कराई। जांच में पाया गया कि मदार गेट पर 115 दुकानों, 2 स्कूल बिल्डिंग और 5 ऑफिस रूम का निर्माण वक्फ संपत्ति के रूप में किया। रियाज खान ने कई साल तक किराया वसूला, लेकिन इसकी सूचना न तो बोर्ड को दी गई और न ही किराएदारों से प्राप्त होने वाली आय का हिसाब दिया गया। वक्फ संपत्ति का उपयोग निजी संपत्ति के रूप में किया गया। इसका अनाधिकृत लाभ अर्जित किया गया।

सात करोड़ की रिकवरी निकाली

वक्फ बोर्ड ने रियाज पर आरोप लगाया कि आपके कार्यकाल में आपके द्वारा वर्तमान तक अनाधिकृत रूप से वक्फ के किराएदारों से वसूली की जा रही है। साल 2006-07 से साल 2022-23 तक 7 करोड़ 11 लाख, 99 हजार रुपए की वसूली आपसे की जाए।

रियाज खान, कांग्रेस नेता, उज्जैन

चिता की राख में गोली की तलाश

रीवा में शख्स की गोली मारकर की गई थी हत्या; सबूत जुटाने पुलिस ने की खोजबीन

न्यूज क्राइम फाइल

रीवा में एक शख्स की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली उसके सीने में फंसी थी। डॉक्टरों ने शव का पोस्टमार्टम किया, लेकिन उन्हें गोली नहीं मिली। इसके बाद तय किया गया कि अंतिम संस्कार के बाद चिता की राख में से गोली तलाश की जाएगी। इसके बाद जो हुआ वो किसी फिल्मी सीन से कम नहीं है। शख्स के अंतिम संस्कार के बाद राख में से गोली तलाश की गई। इस दौरान राख को बांस टोकरी में पानी डालकर छाना। चुंबक का सहारा भी लिया गया। फिर भी गोली नहीं मिली। इस दौरान पुलिस भी वहां मौजूद रही।

परिजनों ने किया था शव रखकर थाने का घेराव

मामला जवा थाना क्षेत्र के जनकहाई गांव का है। यहां 3 और 4 जून की दरमियानी रात दो गुटों में हुए विवाद में राम शिरोमणि मांझी नाम के शख्स को गोली मार दी गई थी। घटना के बाद आक्रोशित गांव वालों ने शव रखकर थाने का घेराव किया था। परिजन इस बात पर अड़ गए कि आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही शव का पोस्टमार्टम करवाएंगे। पुलिस अफसरों के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ। 4 जून को शव का पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार कर दिया गया। जिसके बाद दो दिन बाद शुक्रवार को शख्स की हत्या के सबूत उसकी चिता की राख में तलाशे गए।

ट्रैक्टर चलाने को लेकर दो गुटों में हुआ था विवाद

एडिशनल एसपी अनिल सोनकर ने बताया कि राम शिरोमणि मांझी का नाती गांव के ही पटेल परिवार के यहां ट्रैक्टर चलाता था। रात में ट्रैक्टर चलाने को लेकर हुए विवाद के बाद राम के नाती के साथ मारपीट की गई। परिजन को सूचना मिली, तो दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। विवाद के बीच एक व्यक्ति ने फायर कर दिया। गोली राम शिरोमणि मांझी के सीने में लगी। पुलिस ने दिलीप पटेल और रिंकू पटेल और अनिल पटेल को गिरफ्तार किया था।

अस्थियों और चिता की राख में तलाशी गई

शुक्रवार को पुलिस श्मशान पहुंची। यहां गांव वालों और परिजन की मदद से चिता की राख जमा की गई। इसके बाद राख में से गोली तलाशने में लग गए। इस दौरान बांस की टोकरी में राख भरकर पानी में डुबोया गया। इसके बाद उसमें मेटल तलाशने के लिए चुंबक की मदद ली गई। फिर भी गोली नहीं मिल सकी। हालांकि पुलिस की विवेचना रिपोर्ट, पीएम रिपोर्ट में भी गोली लगने की मौत होना बताया गया है।

एएसपी बोले- साक्ष्य प्रस्तुत करने में होगी दिक्कत

एएसपी विवेक लाल ने बताया कि जिस जगह मुखाग्नि दी गई है, वहां दोबारा निरीक्षण किया जाएगा। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर से भी बात की जाएगी। साक्ष्य के नजरिए से गोली का मिलना जरूरी है। अगर गोली नहीं मिलती है, तो कोर्ट में साक्ष्य प्रस्तुत करने पर दिक्कत होगी। कारण- कोर्ट सबूत ही मानता है।

एमपी की ब्यूरोक्रेसी में होगी बड़ी सर्जरी

वीरा राणा का एक्सटेंशन पूरा होने से पहले मिलेगा नया मुख्य सचिव; डीजीपी भी बदलना तय

न्यूज क्राइम फाइल

लोकसभा चुनाव के बाद अब सीएम डॉ. मोहन यादव जल्द ब्यूरोक्रेसी में बड़ा फेरबदल करने की तैयारी में हैं। प्रारंभिक तैयारी हो गई है। डीजीपी सुधीर सक्सेना के दो साल मार्च 2024 में पूरे हो गए हैं, इसलिए वे तुरंत बदले जा सकते हैं। मुख्य सचिव वीरा राणा के संबंध में दो विकल्पों पर बात हो रही है। 6 माह एक्सटेंशन (सितंबर 2024 तक) पूरा होने से पहले ही वीरा राणा को बदला जाएगा या फिर नए सीएस की ओएसडी के तौर पर पहले नियुक्ति हो जाएगी। दोनों स्थिति में सितंबर से पहले नया सीएस मिलेगा। सीएस के लिए प्रमुख दावेदारों में मो. सुलेमान, डॉ. राजेश राजौरा और एसएन मिश्रा हैं। केंद्र में पदस्थ अनुराग जैन का नाम भी प्रमुख है। जैन के लिए केंद्रीय कैबिनेट, रक्षा या गृह सचिव की संभावनाएं खुली हैं। उन्हें मप्र आने का फैसला लेना होगा। सीएम को भी पहल करनी होगी। केंद्रीय कैबिनेट, गृह सचिव अभी एक्सटेंशन पर

हैं। सीएमओ में 1 एसीएस या पीएस की नियुक्ति संभव है। इनमें राजेश राजौरा (अभी सीएस नहीं बनते हैं तो), अशोक वर्णवाल, मनु श्रीवास्तव, अनुपम राजन, शिवशेखर शुक्ला, ई रमेश कुमार, संजय शुक्ला, निकुंज श्रीवास्तव के नाम हैं।

लंबे समय से जमे लोग भी हटेंगे

मंत्रालय में एसीएस-पीएस और विभागाध्यक्ष पद पर दो साल या इससे भी अधिक समय से पदस्थ अफसरों की भी सूची बन गई है। इनमें से कुछ को बदला जा सकता है। कुछ मंत्रियों की पटरी अपने प्रमुख सचिवों से नहीं बन रही। ऐसे मंत्रियों ने मुख्यमंत्री को अपनी राय बता दी है। एसीएस, पीएस और सचिव के बाद कुछ कलेक्टरों का भी नंबर आएगा।

राज्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर भी कई चेहरों की नजर

राज्य निर्वाचन आयुक्त बीपी सिंह का कार्यकाल जून में पूरा हो रहा है। यह पद एक दिन के लिए भी रिक्त नहीं हुआ है। इसमें नया प्रावधान जोड़ा गया है कि मौजूदा आयुक्त का कार्यकाल 6 माह या नई नियुक्ति होने तक बढ़ाया जा सकता है। इस हिसाब से वीरा राणा, कर्मचारी चयन मंडल के अध्यक्ष संजय बंदोपाध्याय, एसीएस जेएन कंसोटिया व सीएस नहीं बन पाने वाले कुछ लोगों का ध्यान इस पद पर हो सकता है।

सबसे बड़ा सवाल-

काशी में मोदी का मार्जिन क्यों घटा

न्यूज क्राइम फाइल

काशी में मोदी को 10 लाख वोट से जिताने का प्लान अमित शाह ने बनाया था। लेकिन सारा प्लान एमएलए एमएलसी और मेयर ने फेल कर दिया। सब कुछ तय था कि 5 विधानसभा हैं, दो-दो लाख वोट दिलाया जाएगा। विधायक से लेकर एमएलसी और मेयर सभी घमंड में थे। ऐसा लग रहा था कि बनारस की जनता इनको वोट तो देगी ही। इन्हें लगता था कि बनारस के लोग इनके बंधुआ मजदूर हैं और इनमें से किसी ने मेहनत ही नहीं की। जितने नेता आए वे सभी केवल सड़क पर घूमे, होटल में खाए, लेकिन जनता से मिलने पर ध्यान ही नहीं दिया। यही वजह रही कि जनता ने निकलकर वोट नहीं किया। यह कहते हुए गोदौलिया में विकास यादव गुस्से में दिखे। हमने पूछा- क्या काशी में इतने भी डेवलपमेंट नहीं हुए कि लोग वोट देते। विकास भोजपुरी में कहते हैं- काशी में विकास त भइल, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर देखला, नमो घाट, बाबतपुर देखला। मंडुवाडीह में बनारस स्टेशन भव्य बन गईल। अब विकास ना रुकल, सांसद त बनइए देवल गईल। विकास के इन शब्दों में काशी में हुए बदलाव की वजह समझ में आती है। काशी को पूरे देश में गंगा नदी और काशी विश्वनाथ धाम से लोग जानते हैं। इसके साथ सियासी पहचान पीएम नरेंद्र मोदी से भी है। बाबा विश्वनाथ मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद 2019 में पीएम मोदी ने बाबा काशी विश्वनाथ धाम का उद्घाटन किया। चुनाव में लोगों ने उन्हें रिकॉर्ड 45.22 प्रतिशत वोट मार्जिन से जिताया था।

पीएम मोदी ने डेवलपमेंट में कोई कसर नहीं छोड़ी, पूरे काशी का स्वरूप बदलने के लिए 10 साल में 60 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट दिए। बाबा काशी विश्वनाथ का मंदिर बनने के बाद पूरे देश से मूवमेंट काशी की तरफ होने लगा। काशी का पूरा माहौल बदला, मगर लोग अंदर ही अंदर उठा-पटक का मन बना चुके थे। पीएम मोदी भी जनमत के संकेत को भांप चुके थे, इसलिए उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा था- जीत को लेकर ज्यादा विश्वास न दिखाएं, मेहनत करें। 2 हजार लोगों को पीएम मोदी ने खुद लेटर भी लिखा।

लोग बोले- स्टार प्रचारक शहर घूमकर चले गए, गलियों में आए ही नहीं

मणिकर्णिका घाट के पास हमारी मुलाकात मदन कुमार यादव से हुई। वह पूजन सामग्री बेचते हैं। लोगों ने मोदी को वोट इतने कम क्यों दिए? वह कहते हैं- देखिए, पीएम मोदी के लिए जीत की कोई दिक्कत नहीं थी। जनता के बीच 2019 के चुनाव में जितना उत्साह था, उतना 2024 के चुनाव में नहीं दिखा। इसके अलावा भाजपा के स्टार प्रचारक बनारस घूमकर चले गए। गलियों में आए ही नहीं। काशी के लोकल इश्यू पर बात ही नहीं की गई। 10 साल में कोई नई फैक्ट्री नहीं लगी बस एक कॉरिडोर बना। बेरोजगारी एक अहम मुद्दा था, जिस पर लोगों ने कम वोट किया। विपक्ष संविधान और बेरोजगारी पर चुनाव लड़ा और काशी में एक मैसेज देने में सफल हो गया।

अस्सी घाट पर नाविक बोले- माझी समाज में कुछ लोगों ने वोट दिए, कुछ ने नहीं दिए

अब हम अस्सी घाट पहुंचे। यहां हमारी मुलाकात नाविक विनोद साहनी से हुई। वह कहते हैं- गंगाजी से हमारी रोजी-रोटी है। सरकार ने क्रूज चला दिया। हमको यह नहीं चाहिए। हम जैसे हैं, अच्छे हैं। इसलिए कुछ माझी समाज ने वोट दिया, कुछ ने नहीं दिया। 2014 में यहां बहुत सारे काम हुए। मुझे भी ष्टह्लत्र बोट मिली थी। मगर रोजगार और क्रूज को लेकर उन्हें सोचना ही होगा।

बुनकर हुसैन बोले- 1 लाख बुनकर काशी छोड़कर चले गए

बड़ी बाजार के बुनकर मोहम्मद हुसैन कहते हैं- मोदी जीते हैं, उन्हें बधाई। मोदी 10 साल से सांसद और प्रधानमंत्री हैं, आज तक बुनकरों का ख्याल नहीं रखा। 1 लाख से ज्यादा बुनकर काशी छोड़कर जा चुके हैं। मगर इसका ख्याल तक नहीं है। ऐसे में क्या उम्मीद रखी जाए। यहां बुनकर भुखमरी की कगार पर हैं।

अजय राय को इतने वोट मिलने के पीछे क्या कारण रहे?

पॉलिटिकल एक्सपर्ट असद कमाल लारी ने कहा- इस बार चुनाव में भाजपा के रणनीतिकार चूक गए। जमीनी हकीकत को नहीं पढ़ पाए। प्रधानमंत्री मोदी को ऐतिहासिक जीत दिलाने का दावा सही साबित नहीं हुआ। अजय राय जिन मुद्दों को लेकर चल रहे थे। भाजपा ठीक उसके उलट चल रही थी। बेरोजगारी और छोटे-छोटे जमीनी मुद्दों पर अजय राय ने फोकस कर पब्लिक को कनेक्ट किया। बेरोजगारी, नाविक, युवा, गंगा इन सभी छोटे-छोटे मुद्दों पर कांग्रेस और सपा ने ध्यान दिया। अजय राय का बाहरी और बनारसी का मुद्दा यूथ को हिट कर गया। अजय राय ने कहा था- गुजरात के लोग यहां आते हैं और कमाते हैं। वाराणसी के लोगों को बेरोजगार करते हैं। उन्हें मजदूर समझते हैं। असद कमाल लारी कहते हैं- 2014 उम्मीदों का साल था। जब मोदी पहली बार यहां प्रत्याशी बनकर आए तो यहां के युवाओं ने उनका साथ दिया। 2019 चुनाव में लोगों ने सोचा 5 वर्ष समझने में लग गए। एक बार फिर मौका देते हैं। उस समय जो युवा 18 साल से 21 साल का था। 10 साल में वो 28 से 31 साल का हो गया। लेकिन उसे रोजगार नहीं मिला। बनारस में व्यापार एक तरफा हो गया। विश्वनाथ धाम बनने के बाद पर्यटक से जुड़े लोगों का रोजगार बढ़ा, लेकिन बनारस जाम नगरी बन गई। बनारस क्योटो नगरी तो नहीं, टोटो नगरी जरूर बन गई। लोगों से बात करके समझ आया कि काशी के देहात क्षेत्रों के युवाओं में अग्निवीर और पेपर लीक के मुद्दे भी हावी रहे। सपा-कांग्रेस के संविधान बदलने के बयानों का दलित और गैर यादव पिछड़ा वर्ग पर असर दिखा। एक्सपर्ट मानते हैं कि कुर्मी, कुशवाहा, राजभर, निषाद, जाटव, पासी, प्रजापति, बिंद, केवट, मल्लाह और राजपूत बहुल इलाकों में लोगों ने इंडी को वोट किया। अजय राय का ये चौथा चुनाव था। उन्होंने गुजरात के ठेकेदारों को टेंडर देने के बयानों से श्रमिक वर्ग के लोगों के जख्म कुरेद दिए। भाजपा मंदिर-मस्जिद और राष्ट्रवाद पर वोट मांगती रही। लोगों के कारोबार प्रभावित होने की वजह से काशी विश्वनाथ परिक्षेत्र में सबसे कम वोट मिले।

भाजपाइयों में जीत का जोश नहीं, सवालों पर सन्नाटा

वाराणसी लोकसभा चुनाव के चौंकाने वाले नतीजों पर काशी में सन्नाटा है। मंत्री से लेकर विधायकों ने चुप्पी साध रखी है, तो संगठन में भी खामोशी है। किसी भी सवाल पर कोई नेता प्रतिक्रिया देने से बच रहा है। पीएम को मिले वोट ने भाजपा संगठन और रणनीतिकारों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शाह के भरोसेमंद नेता बेअसर साबित हुए

पीएम नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक जीत के लिए अमित शाह ने सुनील बंसल, अश्विनी त्यागी, पूर्व मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी, एमएलसी अरुण पाठक, लोकसभा संयोजक सुरेंद्र नारायण सिंह, हंसराज विश्वकर्मा, काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल, महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय, राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल, राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु पूर्व मंत्री और विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी को जिम्मेदारी दी थी। इनके अलावा महापौर अशोक तिवारी, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, डॉ. अवधेश सिंह, सुनील पटेल, सुशील सिंह, रमेश जायसवाल, अशोक धवन, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, पूर्व सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, धर्मेंद्र राय, राजेश त्रिवेदी, पूर्व महापौर राम गोपाल मोहले और मृदुला जायसवाल, कौशलेंद्र सिंह पटेल, चेत नारायण सिंह, राजेश त्रिवेदी, लोकसभा सह संयोजक राहुल सिंह, संजय सिंह, नवीन कपूर, संजय सोनकर और प्रवीण सिंह गौतम पर भी वोट बढ़ाने का जिम्मा था। मगर इसका असर जमीन पर कहीं नहीं दिखा।

विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेंगे; भाजपा बोली- यह मतलब की दोस्ती थी

गोपाल राय बोले- कांग्रेस आप गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव तक था

संदीप कुमार यादव

लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस के साथ आई आम आदमी पार्टी अगले साल होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में अकेले लड़ेगी। पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने गुरुवार को ऐलान किया कि कांग्रेस के साथ गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था। विधानसभा चुनाव में हम अकेले मैदान में उतरेंगे। दरअसल, गुरुवार शाम को सीएम हाउस पर पार्टी के दिल्ली के सभी विधायकों और नेताओं की बैठक बुलाई गई। इसमें लोकसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा की गई। इसके बाद राय ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा- यह पहले दिन से स्पष्ट है कि इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए था। दोनों पार्टियों ने पूरी ईमानदारी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन विधानसभा के लिए देशभर में कोई गठबंधन अभी नहीं है। उधर, भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा- ये सिर्फ मतलब की दोस्ती थी। अब ये लोग एक-दूसरे को गाली देंगे। वहीं, इंडियन एक्सप्रेस से इंटरव्यू में दिल्ली कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष ने देवेंद्र यादव ने माना था कि उनका गठबंधन कमजोर था। उन्होंने कहा- हमारे पास धन की कमी थी। लवली ने भी कांग्रेस कमेटी छोड़ दी। इससे हमारी इमेज खराब हुई। दिल्ली की सभी 7 सीटों पर 25 मई को वोटिंग हुई थी। 4 जून को आए नतीजों में सभी सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। कांग्रेस आप गठबंधन एक भी सीट नहीं जीत सका। दोनों पार्टियों ने कहा कि हार की समीक्षा की जाएगी।

गोपाल राय बोले- दिल्ली में 2 महीने से विकास कार्य नहीं हुए

गोपाल राय ने कहा कि हमारी बैठक में हमने दो अहम फैसले लिए हैं। आचार संहिता की वजह से पिछले 2 महीने से दिल्ली में विकास के काम ठप पड़े हैं। हमने फैसला लिया कि सभी विधायक शनिवार-रविवार को अपनी-अपनी विधानसभा में कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग करेंगे। रुके हुए कामों में तेजी लाने की दिशा में काम करेंगे। इसके अलावा शनिवार को पार्टी के सभी पार्षदों के साथ और 13 जून को दिल्ली के सभी कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग होगी। कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करने का निर्णय भी हुआ है। पार्टी ने तय किया है कि जब तक अरविंद केजरीवाल जेल में हैं, तब तक लड़ाई जारी रहेगी और पार्टी इसे और ज्यादा मजबूती से आगे लेकर जाएगी। गोपाल राय ने कहा कि पार्टी ने कठिन परिस्थितियों में चुनाव लड़ा। हम एकजुट और मजबूत होकर उभरे हैं। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी जीत हासिल करेगी।

पंजाब में भी अलग-अलग लड़ा था लोकसभा चुनाव

पंजाब की 13 लोकसभा सीटों पर आप और कांग्रेस ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने यहां 7 और आप ने 3 सीटें जीतीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने पंजाब की 8 सीटें जीतीं थीं। वहीं,आप को सिर्फ एक सीट मिली थी। पंजाब में कांग्रेस-आप की सीट शेयरिंग पर सहमति नहीं बनी थी। इसलिए दोनों पार्टियों ने अकेले लड़ने का फैसला किया था।

नीतीश ने कहा- मैं हमेशा मोदी के साथ रहूंगा

न्यूज क्राइम फाइल

दिल्ली में शुक्रवार को एनडीए की बैठक हुई। पीएम नरेंद्र मोदी को संसदीय दल का नेता चुना गया। यह बैठक दो घंटे से ज्यादा चली। गठबंधन के 13 नेताओं ने भाषण दिए, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा नीतीश के भाषण और उनके एक वायरल वीडियो की हो रही है। वहीं चिराग पासवान जब भाषण देकर मोदी के पास पहुंचे तो पीएम ने उन्हें गले लगा लिया। दरअसल, नीतीश भाषण देने के बाद मंच की तरफ आए तो उन्होंने पीएम मोदी के पैर छूने की कोशिश की। जैसे ही नीतीश कुमार पैर छूने को बढ़े तो मोदी ने उनके दोनों हाथ पकड़ लिए। इस दौरान दोनों के बीच बातचीत हुई। नीतीश ने सिर झुकाकर अभिवादन किया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

नीतीश ने कहा- हम लोग पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे

नीतीश कुमार ने कहा, हमारी पार्टी जेडीयू, भाजपा संसदीय दल के नेता नरेंद्र मोदी को भारत के प्रधानमंत्री पद के लिए

समर्थन देती है। यह बहुत खुशी की बात है कि 10 साल से ये पीएम हैं और फिर पीएम होने जा रहे हैं। इन्होंने पूरे देश की सेवा की है और उम्मीद है कि अगली बार सब पूरा कर देंगे। हम लोग पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे। हमें लगता है कि इधर-उधर जो थोड़ा जीत गया है न, अगली बार जब आइएगा न ऊ सब हार जाएगा। उन लोगों ने कोई काम नहीं किया है। आप (मोदी) देश को आगे बढ़ाएंगे। खुशी की बात है। जल्दी से जल्दी से आपका शपथ ग्रहण हो जाए। हम तो आज ही चाहते हैं। पूरे देश को इससे फायदा होगा। इधर-उधर कोई करना चाहता है उसे कोई लाभ नहीं है। आपके नेतृत्व में सभी लोग चलेंगे। इससे पहले दिल्ली में नीतीश ने जेडीयू के संसदीय दल की बैठक बुलाई है। इसमें सभी निर्वाचित सांसद शामिल हुए हैं। बैठक करीब 1 घंटे तक चली।

चिराग बोले- मैंने उस घर में दीया जलाया, जहां सदियों से अंधेरा था

चिराग पासवान ने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी को बधाई देता हूं। आपकी वजह से एनडीए की प्रचंड जीत हुई है। आप ही की इच्छा शक्ति की वजह से ये जीत हुई है। ये कोई सामान्य बात नहीं है। क्षेत्र में आपके नाम पर जो उत्साह दिखता है वो गर्व की बात है। आप ही की वजह से हम दुनिया के सामने कह पाए हैं कि हम दुनिया के 5वें नंबर की इकॉनॉमी हैं।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623